संकेत सूत्र; रासायनिक संगठन..... 11

Cl, Ag, Na,NaOH, H_2O आदि-आदि। रसायन शास्त्र में तत्वों के संकेत और सूत्र। जिनसे पदार्थ में तत्वों के संगठन का भी पता चलता है। इन आधुनिक संकेतों का विकास तो अठारहवीं-उन्नीसवीं सदी में हुआ। उसके पहले संकेतों का इस्तेमाल कीमियागिर लोग किया करते थे। तरह-तरह की आकृतियां। संकेत और सूत्र के विकास के ऐतिहासिक उलझाव-सुलझाव का परिचय देता लेख।

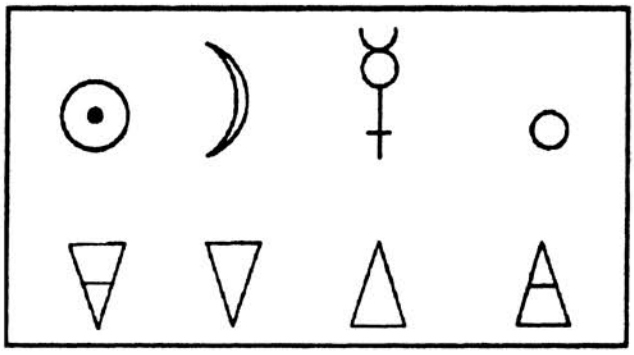

पोलियो और पक्षाघात (सवालीराम) 59

पोलियो के अधिकांश रोगी तो थोड़े-से खांसी, जुकाम के बाद यूं ही ठीक हो जाते हैं। घातक होता है दूसरे तरह का पोलियो। जिसमें विषाणु रोगी की आंतों में पहुंच जाते हैं। अगर शरीर का रक्षा तंत्र काबू कर पाया तो ठीक वरना ये तंत्रिका तंत्र को कब्जे में ले लेते हैं। सवालीराम की खोज भरी नज़र।

भूगोल, स्कूली किताबें और कुछ अनुभव..... 51

ज़्यादातर शालाओं में पाठ्य-पुस्तकें ही शिक्षा का एकमात्र ज़रिया होतीं हैं। एक तरह से स्कूली शिक्षा पाठ्य-पुस्तकों के दायरे में बंध -सी जाती है। इसलिए भी क्योंकि परीक्षा भी सिर्फ उन सब बातों पर आधारित होती है जो पाठ्य-पुस्तकों में लिखी होती हैं। इसीलिए शिक्षा के अन्य पहलुओं के साथ-साथ पाठ्य-पुस्तकों का मूल्यांकन भी उतना ही ज़रूरी है। एक समीक्षात्मक नज़र के सहारे भूगोल की बुनियादी अवधारणाओं की जटिलता पर चर्चा।

इस अंक में

आपने लिखा.....	2	भूगोल, स्कूली किताबें और..	51
एक बाल के सहारे.....	6	सवालीराम.....	59
यूं बनी एक कहानी.....	7	ज़रा सिर तो खुजलाइए.....	67
संकेत सूत्र और रासायनिक संगठन.....	11	पांच जगत वाली प्रकृति.....	73
किसमें प्रोटीन, कहां बसा.....	22	फ्यूज़ उड़े तो.....	80
मंत्र, हवाबाज़ी और धुंध.....	25	दो तरीका.....	81
कार्क – सूखी गड्ढों भरी छाल.....	35	चाय की चुस्की और विज्ञान.	89
तापमान कैसे नापें.....	39	काम एक-सा, फिर भी.....	96